डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर
एक बहुमुखी व्यक्तित्व'

Dr. Babasaheb Ambedkar
The Versatile Personality

प्रधान सम्पादक

डॉ. पी. व्ही. महालिंगे

रामनारायण रुइया

स्वायत्ता महाविद्यालय, माटुंगा, मुंबई 19

सह-सम्पादक

Dr. Arjun Sahebrao Kharat

Assistant Professor & Head, Department of English, Ramnarain Ruia Autonomous College, L. N. Road, Matunga, Mumbai- 400 019.

ARHAND

अखण्ड पब्लिशिंग हाउस

TRUE COPY

Principal

Shurparaka Educational & Medical Trust's

A. E. Kalsekar College ... Science & Management

Nallasopara (W); Tal. Vasai, Dist. Palghar - 401 203.

द्वारा प्रकाशित

अखण्ड पब्लिशिंग हाऊस

Publisher, Distributor, Exporter having an Online Bookstore

एल-9ए, प्रथम तल, गली न0 42,
सादतपुर एक्सटेंसन, दिल्ली-110094 (भारत)
Phone : 9968628081, 9555149955, 9013387535
E-mail : akhandpublishinghouse@gmail.com
akhandpublishing@yahoo.com
Website : www.akhandbooks.com

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर
एक बहुमुखी व्यक्तित्व

Dr. Babasaheb Ambedkar
The Versatile Personality

संस्करण : 2020

© सम्पादक

ISBN: 978-93-88998-95-6

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी हिस्से को प्रकाशक की पूर्व अनुमति विना इलेक्ट्रॉनिक या किसी अन्य माध्यम द्वारा पुनः प्राप्ति समेत किसी भी रूप प्रतिलिपिकृत, अनुवादित, संगृहीत नहीं किया जा सकता है और न ही किसी भी रूप या किसी भी माध्यम द्वारा इसे प्रसारित किया जा सकता है।

इस पुस्तक में लेखक द्वारा व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत हैं जिसका प्रकाशक औ सम्पादक से कोई संबंध नहीं है।

भारत में प्रकाशित

अमरू यादव द्वारा 'अखण्ड पब्लिशिंग हाउस' के लिए प्रकाशित। वी.एम. ग्राफिक्स दिल्ली द्वारा कवर डिजाइन व शब्द संयोजन तथा आरना इंटरप्राइजेज, दिल्ली से मुद्रित

सहायक सूची

1. डॉ. पी. व्ही. महालिंगे, रामनारायण रुइया स्वायत्त महाविद्यालय, माटुंगा, मुंबई 19।
2. सरिता बिन्द, शोधार्थी : रामनारायन रुईया स्वायत्त महाविद्यालय, माटुंगा मुंबई– 400019।
3. डॉ. मेदिनी अंजनीकर, भवन्स महाविद्यालय, अंधेरी।
4. डॉ. सुनिल चव्हाण, सहयोगी प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक, अध्यक्ष हिंदी विभाग, ए.सी.एस. कॉलेज, लांजा, जि. रत्नागिरी, 416 701।
5. डॉ. शिवाजी नागोबा भदरगे, सहायक प्राध्यापक एवं हिंदी विभाग प्रमुख हु. ज. पा. महाविद्यालय, हिमायतनगर, जिला नांदेड़।
6. गोदावरी सब्बानी, शोधार्थी, रामनारायण रुइया स्वायत्त महाविद्यालय, माटुंगा, मुंबई 19।
7. प्रा. डॉ. संजय जाधव, सहयोगी प्राध्यापक एवं शोध–निर्देशक, श्री शिवाजी महाविद्यालय, परभणी–महाराष्ट्र।
8. स. प्रा. रोहिता केतन राऊत एस.इ.एम.ट्रस्ट, हिंदी विभाग, एम.बी. हॅरिस कॉलेज ऑफ आर्टस, ए. इ. कालसेकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एन्ड मॅनेजमेंट नालासोपारा 1/4पश्चिम1/2 भ्रमणध्वनी।
9. प्रा. डॉ. मा. ना. गायकवाड, हिंदी विभाग, कै. व्यं. दे. म. बाभळगांव, ता. जि. लातूर।
10. प्रोफेसर. विष्णु सरवदे, हिंदी विभाग, मानविकी संकाय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद।
11. डॉ. देवीदास बोर्डे, एस. पी. के. कॉलेज सावंतवाड़ी, जिला सिंधुदुर्ग।

8

मिथिलेश्वर की कहानियों में अम्बेडकर विचारों का प्रभाव

भीमराव अम्बेडकर का भारत वर्ष में राजनीतिक एवं कानूनी क्षेत्र में प्रमुख स्थान रहा है। वे एक भविष्य दृष्टा, विचारक, कर्मशील एवं स्वाभिमानी व्यक्ति थे, जिन्होंने न केवल भारतीय संविधान को प्रारूप दिया बल्कि भारतीय सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाने का प्रयास किया। वे मानते थे कि डॉ. अम्बेडकर राज्य की अपेक्षा समाज को अधिक महत्त्व देते थे। वे मानते थे–"समाज लोकतांत्रिक होने पर राज्य स्वतः लोकतांत्रिक हो जायेगा परंतु राज्य के लोकतांत्रिक होने से समाज भी लोकतांत्रिक हो जायेगा, यह वे आवश्यक नहीं मानते थे।"–1 स्वतंत्रता से पूर्व एवं पश्चात् की संवैधानिक, राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था की स्थापना में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने दलितों एवं शोषितों को अन्य लोगों के समान ही कानूनी अधिकार दिलाने के लिए अनेक आंदोलनों का नेतृत्व किया और समाज के दलित वर्ग के लाखों लोगों को उनके मानवाधिकार दिलाए। वे सामाजिक न्याय के संघर्ष के प्रतीक है। अम्बेडकर विचार बीसवीं सदी का क्रांतिकारी तत्वज्ञान है। 'बहुजन–हिताय, बहुजन–सुखाय अम्बेडकर विचार

प्रा. रोहिता केतन राऊत एस.इ.एम.टंस्ट, हिंदी विभाग, एम.बी. हॅरिस कॉलेज ऑफ आर्टस, ए. इ. कालसेकर कॉलेज ऑफ कॉमर्स ॲन्ड मॅनेजमेंट नालासोपारा 1/4पश्चिम1/2।